# Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 10 फरवरी, 2022

## आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2022

हाल ही में ICC U-19 विश्व कप 2022 का फाइनल 5 फरवरी को एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला गया जिसमें भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट से जीत हासिल की। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में यह भारत का रिकॉर्ड पाँचवाँ अंडर-19 खिताब है। इंग्लैंड की टीम द्वारा भारतीय टीम को 190 रन का लक्ष्य दिया गया था जिसे भारतीय टीम ने 47.4 ओवर में पूरा कर छह विकेट पर 195 रन पर बनाए। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2022 वेस्टइंडीज़ में जनवरी-फरवरी 2022 में आयोजित एक सीमित ओवरों का क्रिकेट टूर्नामेंट था। इसमें 16 टीमों ने हिस्सा लिया। यह अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप का 14वाँ संस्करण था और वेस्टइंडीज़ में आयोजित पहला टूर्नामेंट था। बांग्लादेश इस टूर्नामेंट का डिफेंडिंग चैंपियन रहा। इस टूर्नामेंट के मैच एंटीगुआ, सेंट किट्स, गुयाना और त्रिनिदाद में खेले गए। फाइनल मैच एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला गया।

## एम. जगदीश कुमार

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने एम. जगदीश कुमार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 5 साल की अवधि या 65 वर्ष की आयु होने तक (जो भी पहले हो) के लिये की गई है। एम. जगदीश कुमार को पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया था। वह IIT मद्रास के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने IIT मद्रास से पीएचडी की और वाटरलू यूनिवर्सिटी, कनाडा से डॉक्टरेट किया। वह मूल रूप से तेलंगाना के हैं और कराटे में माहिर है। उन्होंने IIT दिल्ली के विद्युत विभाग में प्रोफेसर के रूप में कार्य किया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नींव 28 दिसंबर, 1953 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने रखी थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विश्वविद्यालयी शिक्षा के मापदंडों के समन्वय, निर्धारण और अनुरक्षण हेतु वर्ष 1956 में संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक स्वायत्त संगठन है। पात्र विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को अनुदान प्रदान करने के अतिरिक्त, आयोग केंद्र और राज्य सरकारों को उच्चतर शिक्षा के विकास हेतु आवश्यक उपायों पर सुझाव भी देता है।

इसका मुख्यालय देश की राजधानी नई दिल्ली में है। इसके छह क्षेत्रीय कार्यालय पुणे, भोपाल, कोलकाता, हैदराबाद, गुवाहाटी एवं बंगलूरू में हैं।

## विश्व दलहन दिवस

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2019 में दलहन के महत्त्व को चिह्नित करने और आम लोगों में उसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रतिवर्ष 10 फरवरी को विश्व दलहन दिवस का आयोजन करने की घोषणा की। इस दिवस के आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य स्थायी खाद्य उत्पादन में दलहन के महत्त्व को रेखांकित करना है। वर्ष 2013 में दलहन के महत्त्व को मान्यता देते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2016 को अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष (IYP) के रूप में अपनाया। अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष (IYP) की सफलता के बाद बुर्किना फासो (पश्चिम अफ्रीका का एक देश) ने विश्व दलहन दिवस का प्रस्ताव रखा। इसके पश्चात् वर्ष 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 फरवरी को विश्व दलहन दिवस के रूप में घोषित किया। ज्ञात हो कि बीते पाँच-छह वर्षों में देश में दालों का उत्पादन 140 लाख टन से बढ़कर 240 लाख टन तक पहुँच गया है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2050 तक देश में 320 लाख टन दालों की ज़रूरत होगी। दालों को पोषण और प्रोटीन के मामले में समृद्ध एवं स्वस्थ आहार का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। सतत् विकास 2030 एजेंडा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी दलहन महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

## एंड्यूरेंस 22 अभियान

एंड्यूरेंस 22 अभियान (Endurance 22 Expedition) हाल ही में केप टाउन से निर्धारित समय पर रवाना हुआ। यह अंटार्कटिका में वेडेल सागर (Weddell Sea) की ओर अग्रसर हुआ है। एंड्यूरेंस 22 अभियान को फॉकलैंड्स मैरीटाइम हेरिटेज ट्रस्ट द्वारा रवाना किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य प्रसिद्ध ध्रुवीय खोजकर्त्ता सर अर्नेस्ट शेकलटन (Sir Ernest Shackleton) के खोए हुए जहाज़ एंड्यूरेंस का पता लगाना, सर्वेक्षण और फिल्म बनाना है। इस अभियान को कुल 35 दिनों के लिये समुद्र में संचालित किया जाएगा। इस अभियान का संचालन एसए अगुलहास II (SA Agulhas II) से किया जाएगा, जो दक्षिण अफ्रीकी बर्फ तोड़ने वाला ध्रुवीय आपूर्ति और अनुसंधान जहाज़ है। इस अभियान का नेतृत्व डॉ. जॉन शियर्स द्वारा किया जा रहा है, जो एक ध्रुवीय भूगोलवेत्ता और खोजकर्त्ता हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-10-february-2022